यूपी में हरित ऊर्जा का बड़ा बाजार देख रहीं कंपनियां

चंद्रभान यादव

बैतूल (गोवा)। भारत ऊर्जा सप्ताह में जुटे दुनिया भर के विशेषज्ञ हरित ऊर्जा को भविष्य की जरूरत बता रहे हैं तो ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियां यूपी को बड़े बाजार के रूप में देख रही हैं। कई कंपनियों ने बुंदेलखंड से लेकर सोनभद्र तक सर्वे शुरू कर दिया है। वे अगले ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट में प्रदेश सरकार के सामने प्रस्ताव रखने की तैयारी में हैं।

पेट्रोलियम, गैस और सोलर एनर्जी से जुड़ी कंपनियां के प्रतिनिधि भविष्य की रणनीति और नए इनोवेशन पर चर्चा कर रहे हैं। अमर उजाला ने उनकी रणनीति और यूपी की स्थिति को लेकर बातचीत की तो उनमें काफी उत्साह दिखा। वे कार्बन उत्सर्जन कम करने और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर काम कर रहे हैं। सौर ऊर्जा, बायो एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन आदि के क्षेत्र में परियोजना लगाने से प्रदेश को सस्ती ऊर्जा मिलेगी और रोजगार भी पैदा होंगे।

उत्तर प्रदेश जैव ऊर्जा नीति एवं सौर ऊर्जा नीति-2022 भी कंपनियों को लुभा रही है। टोरंट पॉवर के अधिकारियों ने बताया कि उनकी टीम सोनभद्र का दौरा कर चुकी है। वे सोन नदी पर हाइड्रो स्टोरेज पंप लगाने की योजना बना रहे हैं। करीब 3000 मेगावाट की इस परियोजना से 5000 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलेगा। यह कंपनी निवेश से संबंधित प्रस्ताव राज्य सरकार को देगी। हालांकि कंपनी के अधिकारी इस परियोजना के शुरुआती दौर में होने की दुहाई देकर अधिकृत बयान नहीं देते हैं।

बुंदेलखंड से लेकर सोनभद्र तक सर्वे में जुटी हैं कई कंपनियां

पश्चिमी यूपी में तैयार होगा बायोगैस

बायो गैस कंपनी के कार्यकारी विपणन हेड प्रियांशु झा ने बताया कि पश्चिमी यूपी में चीनी मिलों से सस्ते दर पर भरपूर कचरा मिल सकता है। इससे बायोगैस और ऑर्गेनिक खाद तैयार की जाएगी। बिजनौर में यह प्रयोग हो चुका है। अब परियोजना के लिए लाइसेंस की प्रक्रिया चल रही है।

भू स्वर्ण बना रहा इंडियन ऑयल... इंडियन ऑयल की रिसर्च टीम ने कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर ऑर्गेनिक खाद भू स्वर्ण तैयार किया है। यह खाद खरपतवार, होटलों से फेंके जाने वाले खाने व हरी सब्जी आदि से तैयार हो रही है। कंपनी यूपी में जहां कृषि विवि हैं, वहां यह परियोजना लगाने की तैयारी में हैं। इसके लिए राज्य सरकार से समझौता करेगी। इस परियोजना से कृषि की पढ़ाई करने वालों को रोजगार मिलेगा।